



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 44]

नई दिल्ली, सोमवार, जनवरी 12, 2004/पौष 22, 1925

No. 44]

NEW DELHI, MONDAY, JANUARY 12, 2004/PAUSA 22, 1925

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

(केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 12 जनवरी, 2004

(आय-कर)

का.आ. 50(अ).—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 295 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आयकर नियम, 1962 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात् :-

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम आयकर (पांचवां संशोधन) नियम, 2004 है।
(2) ये 1 अप्रैल, 2004 को प्रवृत्त होंगे।
2. आयकर नियम, 1962 में, --
(i) नियम 12 के उपनियम (1) के खंड (ख) में दूसरे परंतुक के पश्चात् निम्नलिखित परंतुक अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-
“ परंतु यह भी कि ऐसे किसी व्यक्ति की दशा में, जो भारत में निवासी है, जहां, -
क) उसकी कुल आय में ‘वेतन’ शीर्ष के अधीन आयकर से प्रभार्य आय सम्मिलित है ;
ख) आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 16 के अधीन कटौतियां अनुज्ञात करने से पूर्व वेतन से उसकी आय एक लाख पचास हजार रूपए से अधिक नहीं है ;
ग) उसकी कुल आय में ‘कारबार या वृत्ति के लाभ और अभिलाभ’ या ‘पूँजी अभिलाभ’ या कृषि आय शीर्ष के अधीन आयकर से प्रभार्य आय सम्मिलित नहीं है ; और
घ) वह ऐसी कोई अन्य आय प्राप्त नहीं कर रहा है जिससे नियोजक से भिन्न किसी व्यक्ति द्वारा स्रोत पर कर की कटौती की गई है,

वहां निर्धारित के पास प्ररूप सं० 16कक में विवरणी फाइल करने का विकल्प भी होगा।” ;

(ii) नियम 31 के उपनियम (1) के खंड (क) में, निम्नलिखित परंतुक अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

“ परंतु ऐसे किसी व्यक्ति की दशा में, जो भारत में निवासी है, जहां आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 16 के अधीन वेतन से कटौतियां अनुज्ञात करने से पूर्व उसकी आय एक लाख पचास हजार रुपए से अधिक नहीं है, वहां स्रोत पर कर की कटौती का प्रमाणपत्र प्ररूप सं0 16कक में होगा । ”;

(iii) परिशिष्ट 2 में, प्ररूप सं0 16क के पश्चात् निम्नलिखित प्ररूप अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

“ प्ररूप सं. 16कक

[नियम 12(1)(ख) का तीसरा परंतुक और नियम 31(1)(क) देखिए]

“ वेतन” शीर्ष के अधीन प्रभार्य आय से स्रोत पर काटे गए कर के लिए प्रमाणपत्र - सह-आय की विवरणी

ऐसे किसी व्यक्ति की दशा में, जो भारत में निवासी है, जहां, -

क) उसकी कुल आय में ‘वेतन’ शीर्ष के अधीन आयकर से प्रभार्य आय सम्मिलित है ;

ख) आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 16 के अधीन वेतन से कटौतियां अनुज्ञात करने से पूर्व उसकी आय एक लाख पचास हजार रुपए से अधिक नहीं है ;

ग) उसकी कुल आय में ‘कारबार या वृत्ति के लाभ और अभिलाभ’ या ‘पूंजी अभिलाभ’ या कृषि आय शीर्षों के अधीन आयकर से प्रभार्य आय सम्मिलित नहीं है ; और

घ) वह ऐसी कोई अन्य आय प्राप्त नहीं कर रहा है जिससे नियोजक से भिन्न किसी व्यक्ति द्वारा स्रोत पर कर की कटौती की गई है,

नियोजक का नाम और पता

कर्मचारी का नाम और पदनाम

.....
.....
.....
.....

.....
.....
.....
.....

स्थायी लेखा संख्यांक/जी आई आर सं. (पैन)

कर कटौती
संख्यांक (टैन)

लेखा स्थायी लेखा संख्यांक/जी
आई आर सं.

स्रोत पर कर कटौती सर्किल जहां धारा 206 के अधीन
वार्षिक विवरणी/ विवरण फाइल किया जाना है

अवधि

से

तक

निर्धारण वर्ष

संदाय किए गए वेतन और किसी अन्य आय और कटौती किए गए कर के ब्यौरे

1. सकल वेतन			
(क) धारा 17(1) में अंतर्विष्ट उपबंधों के अनुसार वेतन रु.		
(ख) धारा 17(2) के अधीन परिलब्धियों का मूल्य (प्ररूप सं. 12खक के अनुसार, जहां लागू हो) रु.		
(ग) धारा 17(3) के अधीन वेतन के बदले में लाभ (प्ररूप सं. 12खक के अनुसार जहां लागू हो) रु.		
(घ) योग रु.		
2. घटाएं : धारा 10 के अधीन छूट की सीमा तक भत्ते रु. रु. रु. रु. रु. रु.	
3. अतिशेष (1-2)		 रु.
4. धारा 16 के अधीन कटौतियां :			
(क) मानक कटौती रु.		
(ख) मनोरंजन भत्ता रु.		
(ग) नियोजन पर कर रु.		
5. 4(क) से (ग) तक का योग रु.		
6. “वेतन” शीर्ष के अधीन प्रभार्य आय	 रु.	701.....
7. जोड़ें : कर्मचारी द्वारा रिपोर्ट की गई कोई अन्य आय			
(क) ‘गृह संपत्ति से आय’ शीर्ष के अधीन आय	702		
(ख) ‘अन्य स्रोतों से आय’ शीर्ष के अधीन आय	706		
(ग) ऊपर (क) + (ख) का योग	 रु.	
8. सकल कुल आय (6+7)	 रु.	746
9. अध्याय 6क के अधीन कटौतियां			
सकल रकम	अर्हक रकम	कटौती योग्य रकम	
(क) 80गगग रु. रु.	235
(ख) 80घ रु. रु.	236
(ग) 80ङ रु. रु.	239
(घ) 80छ रु. रु.	242
(ङ) 80ट रु. रु.	260
(च) 80थथख रु. रु.	275
(छ) 80ददख रु. रु.	282
(ज) एस ई सी रु. रु.	
10. अध्याय 6क के अधीन कटौती योग्य रकमों का योग			747
11. कुल आय (8-10)			760
12. कुल आय पर कर			810
13. अध्याय 8 के अधीन रिबेट			

I धारा 88 के अधीन

(कृपया विनिर्दिष्ट करें)

	सकल रकम	अर्हक रकम	कर रिबेट
(क) रु. रु.	
(ख) रु. रु.	
(ग) रु. रु.	
(घ) रु. रु.	
(ङ) रु. रु.	
(च)			
(छ) योग (क) से (च) तक रु. रु.	812

II. (क) धारा 88ख के अधीन

813

(ख) धारा 88ग के अधीन

814.

14. ऊपर 13 [I (छ) + II (क) + II(ख)] पर कर रिबेटों का योग 820
15. कुल आय पर संदेय कर (12-14) और उस पर अधिभार 832
16. घटाएं धारा 89 के अधीन अनुतोष (ब्यौरे संलग्न करें) : 837
17. बकाया संदेय कर (15-16) 841
18. घटाएं :
- (क) धारा 192 (1) के अधीन
स्रोत पर काटा गया कर 868
- (ख) धारा 17(2) के अधीन परिलब्धियों
पर धारा 192(1क) के अधीन
कर्मचारी की ओर से नियोजक
द्वारा संदाय किया गया कर 872 873
19. संदेय / प्रतिदेय कर (17-18) 891

कटौती किए गए और केंद्रीय सरकार के खाते में जमा किए गए कर के ब्यौरे

रकम	संदाय की तारीख	उस बैंक का नाम और शाखा, जिसमें कर जमा किया गया

मैं पुत्र श्री जो (पदनाम) की हैसियत में कार्यरत हूँ, प्रमाणित करता हूँ कि रुपए रुपए (शब्दों में) की राशि की स्रोत पर कटौती कर ली गई है और केंद्रीय सरकार के खाते में जमा कर दी गई है। मैं यह भी प्रमाणित करता हूँ कि ऊपर दी गई जानकारी लेखाबहियों, दस्तावेजों और अन्य उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर सत्य और सही है।

स्थान :

कर की कटौती के लिए
उत्तरदायी व्यक्ति के हस्ताक्षर

तारीख :

पूरा नाम

पदनाम

निर्धारिती द्वारा भरे जाने के लिए

1. निर्धारिती का नाम
2. पता पिन टेलीफोन
3. जन्म तिथि 4. लिंग पुरुष / स्त्री 5. निर्धारण वर्ष
6. वार्ड / सर्किल / विशेष रेंज 7. विवरणी : मूल या पुनरीक्षित
8. बैंक खाते की विशिष्टियां (प्रतिदाय के संदाय के लिए)

बैंक का नाम	एम.आई.सी.आर कोड	बैंक शाखा का पता	खाते का प्रकार	खाता संख्यांक

निर्धारिती द्वारा सत्यापन

मैं (पूरा नाम, स्पष्ट अक्षरों में) पुत्र / पुत्री श्री सत्यनिष्ठा से घोषणा करता हूं / करती हूं कि निर्धारण वर्ष से सुसंगत पूर्ववर्ष के लिए आय-कर से प्रभार्य आय की बाबत इस विवरणी में दी गई जानकारी मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास से सही, पूर्ण और सत्यता से कथित की गई है और आय-कर अधिनियम, 1961 के उपबंधों के अनुसार है।

रसीद सं..... तारीख

मुद्रा

प्राप्तकर्ता अधिकारी के हस्ताक्षर

निर्धारिती के हस्ताक्षर

तारीख :

स्थान :

[अधिसूचना सं. 12/2004/फा. सं. 142/03/2004-टी.पी.एल.]

चन्द्रजीत सिंह, अवर सचिव

टिप्पण :—मूल नियम भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3(ii), तारीख 26 मार्च, 1962 में का.आ. 969(अ) के अधीन प्रकाशित किए गए थे, जिन्हें समय-समय पर संशोधित किया गया था और अंतिम बार अधिसूचना सं. का.आ. 1335(अ) तारीख 21 नवम्बर, 2003 द्वारा संशोधित किया गया था।

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)
(CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 12th January, 2004

(INCOME-TAX)

S.O. 50(E).— In exercise of the powers conferred by section 295 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Income-tax Rules, 1962, namely:—

1. (1) These rules may be called the Income-tax (5th Amendment) Rules, 2004.
(2) They shall come into force on the 1st day of April, 2004.
2. In the Income-tax Rules, 1962, ---
 - (i) in rule 12, in sub-rule (1), in clause (b), after the second proviso, the following proviso shall be inserted, namely:—

“Provided also that in the case of an individual, resident in India, where—

 - a) his total income includes income chargeable to income-tax under the head ‘Salaries’;
 - b) the income from salaries before allowing deductions under section 16 of the Income-tax Act, 1961 does not exceed rupees one lakh fifty thousand;
 - c) his total income does not include income chargeable to income-tax under the head ‘Profits and gains of business or profession’ or ‘Capital gains’ or agricultural income; and
 - d) he is not in receipt of any other income from which tax has been deducted at source by any person other than the employer;

the assessee shall also have the option of filing return in Form No.16AA.”;
 - (ii) in rule 31, in sub-rule (1), in clause (a), the following proviso shall be inserted namely,—

“Provided that in the case of an individual, resident in India, where his income from salaries before allowing deductions under section 16 of the Income-tax Act, 1961 does not exceed rupees one lakh fifty thousand, the certificate of deduction of tax at source shall be in Form No.16AA.”;
 - (iii) in Appendix II, after Form No.16A, the following Form shall be inserted, namely:—

"FORM NO. 16AA"

[See third proviso to rule 12(1)(b) and rule 31(1)(a)]

Certificate for tax deducted at source from income chargeable under the head "Salaries"-cum- Return of income

For an individual, resident in India, where-

- his total income includes income chargeable to income-tax under the head 'Salaries';
- the income from salaries before allowing deductions under section 16 of the Income-tax Act, 1961 does not exceed rupees one lakh fifty thousand;
- his total income does not include income chargeable to income-tax under the head 'Profits and gains of business or profession' or 'Capital gains' or agricultural income; and
- he is not in receipt of any other income from which tax has been deducted at source by any person other than the employer

Name and address of the Employer		Name and designation of the Employee	
_____		_____	
_____		_____	
_____		_____	
PAN/GIR NO.	TAN	PAN/GIR NO.	
TDS Circle where annual Return /statement under section 206 is to be filed		Period	Assessment year
		FROM	TO

DETAILS OF SALARY PAID AND ANY OTHER INCOME AND TAX DEDUCTED

1. Gross salary	Rs.		
(a) Salary as per provisions contained in section 17(1)			
(b) Value of perquisites under section 17(2) (as per Form no. 12BA, wherever applicable)	Rs.		
(c) Profits in lieu of salary under section 17(3) (as per Form No. 12BA, wherever applicable)	Rs.		
(d) Total		Rs.	
2. Less: Allowance to the extent exempt under section 10	Rs.		
	Rs.		
	Rs.		
3. Balance (1-2)		Rs.	
4. Deductions under section 16.			
a) Standard deduction	Rs.		
b) Entertainment allowance	Rs.		
c) Tax on Employment	Rs.		
5. Aggregate of 4 (a) to (c)		Rs.	
6. Income chargeable under the head 'Salaries'			791

7. Add: Any other income reported by the employee							
(a) Income under the Head 'Income from House Property'				702			
(b) Income under the Head 'Income from Other Sources'				706			
(c) Total of (a) + (b) above							Rs. _____
8. GROSS TOTAL INCOME (6+7)							716
9. DEDUCTIONS UNDER CHAPTER VI-A							
		GROSS AMOUNT	QUALIFYING AMOUNT	DEDUCTIBLE AMOUNT			
a)	80 CCC	Rs.	Rs.	235			
b)	80 D	Rs.	Rs.	236			
c)	80 E	Rs.	Rs.	239			
d)	80 G	Rs.	Rs.	242			
e)	80 L	Rs.	Rs.	260			
f)	80 QQB	Rs.	Rs.	275			
g)	80 RRB	Rs.	Rs.	282			
h)	SEC	Rs.	Rs.				
10. Aggregate of deductible amounts under Chapter VI-A							747
11. TOTAL INCOME (8-10)							760
12. TAX ON TOTAL INCOME							810
13. REBATE UNDER CHAPTER VIII							
I.	Under section 88 (please specify)	GROSS AMOUNT	QUALIFYING AMOUNT	TAX REBATE			
(a)		Rs.	Rs.				
(b)		Rs.	Rs.				
(c)		Rs.	Rs.				
(d)		Rs.	Rs.				
(e)		Rs.	Rs.				
(f)		Rs.	Rs.				
(g)	Total[(a) to (f)]	Rs.	Rs.	812			
II.	(a) under section 88B			813			
	(b) under section 88C			814			
14. Aggregate of tax rebates at 13 above [(g)+(a)+(b)]							820
15. Tax payable on total income (12-14) and surcharge thereon							832
16. Less: Relief under section 89(attach details)							837
17. Balance Tax payable(15-16)							841
18. Less:							
	(a) tax deducted at source under section 192(1)			868			
	(b) Tax paid by the employer on behalf of the employee under section 192(1A) on perquisites under section 17(2)			872			873
19. Tax payable/refundable (17-18)							891

अधिसूचना

नई दिल्ली, 12 जनवरी, 2004

(आय-कर)

का.आ. 51(अ).— केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 139 की उपधारा (1क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित स्कीम विरचित करता है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम, प्रारंभ और लागू होना—

(1) इस योजना का नाम वेतनभोगी कर्मचारियों द्वारा नियोजक के माध्यम से विवरणियां फाइल करने के लिए स्कीम, 2004 है।

(2) यह 1 अप्रैल, 2004 से प्रवृत्त होगी।

(3) यह सभी पात्र कर्मचारियों को लागू होगी।

2. परिभाषाएं—इस योजना में, जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) “अधिनियम” से आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) अभिप्रेत है ;

(ख) “पात्र कर्मचारी” से भारत में निवासी कोई व्यक्ति अभिप्रेत है, जहां—

(i) उसकी कुल आय के अंतर्गत ‘वेतन’ शीर्ष के अधीन आय-कर से प्रभार्य आय सम्मिलित है ;

(ii) आय-कर अधिनियम, 1961 को धारा 16 के अधीन कटौती अनुज्ञात करने से पहले वेतन से आय एक लाख पचास हजार रुपए से अधिक नहीं है ;

(iii) उसकी कुल आय में ‘कारबार या वृत्ति के लाभ और अभिलाभ’ या ‘पूंजी अभिलाभ’ या ‘कृषि आय’ शीर्ष के अधीन आय-कर से प्रभार्य आय सम्मिलित नहीं है ; और

(iv) वह ऐसी कोई आय प्राप्त नहीं करता है जिससे नियोजक से भिन्न किसी व्यक्ति द्वारा पूर्ववर्ष के दौरान स्रोत से कर की कोई कटौती नहीं की गई है।

(ग) “प्रारूप” से आय-कर नियम, 1962 के अधीन विहित प्रारूप अभिप्रेत है ;

(घ) ऐसे सभी अन्य शब्दों और पदों के, जो इसमें प्रयुक्त हैं किंतु परिभाषित नहीं हैं और अधिनियम में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगे, जो अधिनियम में क्रमशः उनका है।

3. प्राप्त किए जाने वाली विवरणियों के प्रकार—

इस स्कीम के अधीन निम्नलिखित प्रकार की विवरणियां नहीं दी जाएंगी—

(i) उस निर्धारण वर्ष से भिन्न, जिसके लिए चालू वित्तीय वर्ष के दौरान धारा 139 की उपधारा (1) के अधीन आय की विवरणी देने की अपेक्षा की जाती है, किसी निर्धारण वर्ष के लिए आय की विवरणी ;

(ii) ऐसी आय विवरणी जहां कर्मचारी का कोई पैन नंबर नहीं है या गलत पैन नं० उद्धृत किया गया है ;

(iii) आय-कर अधिनियम की धारा 153क के अधीन आय की विवरणी ;

(iv) ऐसे कर्मचारी की विवरणी, जिसका उस पूर्ववर्ष के दौरान, जिसके लिए विवरणी दी जा रही है, एक से अधिक नियोजक थे ; और

(v) ऐसे कर्मचारी की विवरणी जिसे उस पूर्ववर्ष के अंतिम दिन, जिसके लिए विवरणी दी जा रही है, एक नियोजक से कोई वेतन प्राप्त नहीं हुई है।

4. विवरणियां कैसे दी जाएंगी—

यह स्कीम वैकल्पिक है और ऐसे व्यक्तियों द्वारा जो वेतन से आय व्युत्पन्न कर रहे हैं, आय की विवरणियां दिए जाने

के एक अतिरिक्त पद्धति का उपबंध करती है। उसके विकल्प पर कोई पात्र कर्मचारी अपनी विवरणी इस स्कीम के अधीन अपने नियोजक के माध्यम से निम्नलिखित प्रक्रिया के अनुसार दे सकेगा :—

- (i) नियोजक से 'वेतन' शीर्ष के अधीन प्रभार्य आय से स्रोत पर कटौती किए गए कर का प्ररूप सं० 16कक में प्रमाणपत्र की प्राप्ति पर पात्र कर्मचारी उक्त प्ररूप में दी गई जानकारी को सुसंगत निर्धारण वर्ष के लिए आय-कर से प्रभार्य अपनी आय के संबंध में आय-कर अधिनियम, 1961 के उपबंधों के अनुसार सही, पूर्ण और सत्य होने के रूप में सत्यापित करेगा, उसे उस पर उसके द्वारा हस्ताक्षर किए जाने और सत्यापित किए जाने के पश्चात् उसे नियोजक को आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 139 की उपधारा (1) में विनिर्दिष्ट शोध्य तारीख से पूर्व देगा।
- (ii) 'पात्र कर्मचारी' से सम्यक् रूप से हस्ताक्षरित और सत्यापित प्ररूप सं० 16कक की प्राप्ति पर नियोजक निर्धारण अधिकारी को प्ररूप सं० 16कक में पात्र कर्मचारी की आय की विवरणी देगा और उसकी अभिस्वीकृति अभिप्राप्त करेगा।
- (iii) नियोजक यह सुनिश्चित करेगा कि आय की विवरणी निर्धारण अधिकारी को आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 139 की उपधारा (1) में विनिर्दिष्ट शोध्य तारीख या उससे पूर्व दे दी गई है।
- (iv) नियोजक निर्धारण अधिकारी से अभिप्राप्त अभिस्वीकृति को संबंधित पात्र कर्मचारियों को वितरित करेगा।

5. विवरणी देने की तारीख

ऐसे प्रत्येक पात्र कर्मचारी के लिए जो उस स्कीम के अधीन अपने नियोजक के माध्यम से आय की विवरणी देने का विकल्प चुनता है, वह तारीख जिसको नियोजक ने पात्र कर्मचारी की आय की विवरणी निर्धारण अधिकारी को दी है, पात्र कर्मचारी द्वारा आय की विवरणी देने की तारीख मानी जाएगी और आय की विवरणी देने के लिए आय-कर अधिनियम, 1961 के सुसंगत उपबंध ऐसे लागू होंगे, मानो उक्त विवरणी कर्मचारी द्वारा फाइल की गई है।

[अधिसूचना सं. 13/2004/फा. सं. 142/03/2004-टी.पी.एल.]

चन्द्रजीत सिंह, अवर सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 12th January, 2004

(INCOME-TAX)

S.O. 51(E).— In exercise of the powers conferred by sub-section (1A) of section 139 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby frames the following Scheme, namely:

1. Short title, commencement and application.-

- (1) This Scheme may be called the Scheme for Filing of Returns by Salaried Employees through Employer, 2004.
- (2) It shall come into force from the 1st day of April, 2004.
- (3) It shall be applicable to all eligible employees.

2. Definitions.- In this Scheme, unless the context otherwise requires,--

- (a) "Act" means the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961);

(b) "Eligible Employee" means an individual, resident in India, where-

- (i) his total income includes income chargeable to income tax under the head 'Salaries';
- (ii) the income from salaries before allowing deduction under section 16 of the Income-tax Act, 1961, does not exceed rupees one lakh fifty thousand;
- (iii) his total income does not include income chargeable to income-tax under the head 'Profits and gains of business or profession' or 'Capital gains' or, agricultural income; and
- (iv) he is not in receipt of any other income from which tax has been deducted at source during the previous year by any person other than the employer.

(c) "Form" means a form prescribed under the Income-tax Rules, 1962.

(d) all other words and expressions used herein but not defined and defined in the Act shall have the meaning respectively assigned to them in the Act.

3. Types of returns to be received.-

Following types of returns shall not be furnished under this Scheme-

- (i) Return of income for any assessment year other than the assessment year for which he is required to furnish the return of income under sub-section (1) of section 139 during the current financial year;
- (ii) Return of income where no PAN or incorrect PAN of the employee has been quoted;
- (iii) Return of income under section 153A of the Income-tax Act;
- (iv) Return of an employee having more than one employer during the previous year for which the return is being furnished; and
- (v) Return of employee who is not in receipt of his salary from the employer as on the last day of the previous year, for which the return is being furnished.

4. Returns how to be furnished.-

The Scheme is optional and provides an additional mode of furnishing returns of income by persons deriving income from salaries. On his option, an eligible employee may furnish his return through his employer under the Scheme, as per the following procedure:-

- (i) On receipt of the certificate of tax deducted at source from the

income chargeable under the head 'salaries' in Form No. 16AA from the employer, the eligible employee shall verify the information given in the said Form as correct, complete and true in accordance with the provisions of Income Tax Act, 1961 in respect of his income chargeable to income-tax for the relevant assessment year and furnish the same after being signed and verified by him to the employer before the due date specified in sub-section (1) of section 139 of the Income Tax Act, 1961.

(ii) On receipt of duly signed and verified Form No. 16AA from an 'eligible employee', the employer shall furnish the return of income of the eligible employee in Form No. 16AA to the Assessing Officer and obtain an acknowledgement.

(iii) The employer shall ensure that the return of income is furnished to the Assessing Officer on or before the due date specified in sub-section (1) of section 139 of the Income Tax Act, 1961.

(iv) The employer shall distribute acknowledgements obtained from the Assessing Officer to the respective eligible employees.

5. Date of furnishing of return.-

For an eligible employee who opts to furnish the return of income through his employer under this Scheme, the date on which the employer has furnished the return of income of the eligible employee to the Assessing Officer shall be treated as the date of furnishing of return of income by the eligible employee and the relevant provisions of the Income-tax Act, 1961, for furnishing of income shall apply as if the return has been filed by the employee.

[Notification No. 13/2004/F. No. 142/03/2004-TPL]

CHANDRAJIT SINGH, Under Secy.